Water Testing / Water Quality

कार्यालय प्रमुख अभियंता
लोक स्वास्थ यांत्रिकी विभाग
मध्यप्रदेश भोपाल

क्र. 5469 / 006–4 / प्र.अ. / मोनी / ज.गु.स. / लो.स्वा.या.वि. / म.प्र. / 05 / भोपाल.दि.30 / 06 / 05

प्रति

समस्त कार्यपालन यंत्री.
लोक स्वास्थ यांत्रिकी खंड

विषयः– **वर्षा ऋतु में पेयजल प्रदाय के सही रख रखाव से संक्रामक रोगो से बचाव ।**

वर्षा ऋतु मे दुषीत जल और गंदगी से फैल ने वाली बीमारीयों की आशंका बढ जाती है अतः पेयजनल की गुनवत्ता बनाये रखने पर विशष ध्यान दीया जावे एवं पेयजल के प्रतेक स्त्रोत को दुषित होनेसे बचाने का संस्थाबभव प्रयास किया जावे इस बाबत विशेष तौर पर निम्न बिंदुवोपर प्रभावी कार्यवाही की जावे

(अ) ग्रामिण जल प्रदाय क्षेत्र :–

1. ग्रामिन क्षेत्रो मे हेडपंप के आसपास गंदगी. कीचड. आदी जमा न हो एवं पर्यापप्त साफ सफाई बनि रहे इस कार्य मे तन सहयोग हेतू समुचित प्रचार प्रसार कीया जावे हाडपंप पर कपउे धोने बर्तन साफ करने तथा गंदगी करने के कार्य ग्रामवासियो व्दारा न कीये जावे
2 जिन इस्थानो पर हाडपंपेा के प्लेटफार्म एवं निवास नाली या तो निर्मीत नही है या टुटे है अथवा ग्राउटींग ठीक से नही की गई है येसी स्थिती मे हेडपंप के आस पास की गंदगि

मिटटी से रिस्कर भु–जल को प्रदुषित करती है अतः ऐसे हेंडपंपो के आस़ –पास आवश्यक सुधार र्काय तत्काल कराया जावे काली मिटटी वाले क्षेत्रो में इस प्रकार के हेडपंपो के सुधार हेतू विशेघ ध्यान दिा जावे जॅहा गंदा पानी रिसकर भु–जल को अधिक प्रदुघित करता है साथ ही सभी सुथार योग्य बांद हैडपंप तत्काल टीक कराए ताकि इनके अभाव में ग्रमवासी दूघित पेयजल के सेवन करने कोविवश न हो

3 जिलो के जन प्रतिनिधियो समाजसेवी संगठनो एंव संवांसथ्य कर्मचारी के माध्यम से ग्रामीण जनता को यह मझाइश दी जावे की पे लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग द्वारा निमित शुद्व पेय जल स्त्रोतों के पानी का ही पीने व भोजन बनाने के लिए उपयोग करें। यदि खुले कुए के पानी का पीने के लिए उपयोग किया जाता है तो उसमें स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से ब्लीचिंग पावडर डलवाएँ या उसे छानकर स्वच्द्व पात्र में भरने के बाद क्लोरिन टेबलेट डालकर / उबालकर ही उपयोग में लाएँ । साथ ही ग्रमवासी खेतो में काम करने के लिए जाते समय नलकूप अथवा स्वच्छ कुओं का पानी साथ ले जावें
4. उन्हें यह सुझावित किया जावे किवे निजी एवं सर्वजनिक कुओं एवं 5 झिरियों के आसपास भी स्वच्द्वता बनाए रखें एवं उनमें ब्लीचिंग पावडर नियमित रूप से डलवाये
5. चूँकि रोगो के रोकथाम में पानी की मात्राः गुणवता के साथ. साथ स्वच्द्वता का पहलू भी महत्वपूण है अतः ग्रामवासियों को स्वच्छ शोचालयों के उपयोग.कुडे कचरे व गोबर के समुचित निष्पादन तथा सभी स्तरो जैसे वातावरणीय घरेलु भोजन संबद्यी एवं व्यक्ति गत स्वच्छता पर भ ध्यान देना आवश्यक है

6, ग्रामीण नलजल योजनाओं की टंकियों की सामयिक सफाई. उसमें उचित मात्रा व गुणवत्ता के ब्लीचिंग पावडर से जीवाणुनाशन व वितरण प्रणाली के समुचित रख रख्सव पर ध्यान देंवे तथा रेसिडयूल क्लोरिन की न्यूनतम 0.2 पी. पी. एम. मात्रा अंतिम छोर पर सुनिश्चित की जावें इस ऋतु में ब्लीचिंग पावडर की समुचित मात्रा उचित तरीके से भंडारित की जावें । इस बिन्दु पर कार्यवाही हेतु स्थानीय पंचायत को अवगत करावें ।

7. ग्रामीण क्षेत्र की नलजल योजनाओं के लिए भी पंचायत को सुझावित करें की वे क्लोरिन ⁄ब्लीचिंग पावडर की समुचित मात्रा जल प्रदाय हेतु उपलबध रखें तथा इसकी वितरण प्रणाली टंकी में समुचित मात्रा में नियमित रूप से मिलाया जाना आवश्यक है । यह ब्लीचिंग पावडर उचित रूप से भंडारित किया जावे ताकि उसके प्रभावी गुण नष्ट न हो ।

8. जिन क्षेत्रों मेंपानी से होने वाली बीमारियों की आशंका⁄सूचना हो बाढ आई हो वहॉ के पेयजल स्त्रोंतो की गुणवत्ता की जांच प्राथमिकता से कराके परिणामों के आधार पर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें

(ब) नगरीय क्षेत्र.

1 सभी स्थानीय निकायों से अपेक्षित है कि वे उनके अधीनस्थ सभी जल प्रदाय ग्रहो के स्त्रोंत संयंत्र. टंकी एवं वितरण प्रणाली का तत्काल निरीक्षण कर उपचार हेतु आवश्यक सभी सामग्रियों तथा रसायनों की समुचित मात्रस की सामयिक उपलब्धता सुनिश्चित करें .एवं नगरीय क्षेत्र के वितरण प्रणाली अंतिम छोर⁄बिन्दु पर लगभग 0.2से0.5 पी. पी. एम. रेसीडयूल क्लोरिन पाई जाती रहे

2 स्थानीय नकायों को भी यह सुझीवत करें कि वितरण प्रणाली में लीकेज व टुट फुट होने पर उन्हें तत्काल ठीक करावें ताकि जलप्रदाय बंद होने की स्थिति में ऋणात्मक दाब के कारण बाहरी गदगी को पाइप उाईन में आने से प्रभावी तरीके से रोका जा सकें

3 पेयजल परीक्षण कार्य के लिये स्थानीय निकाय प्रयोगशला में नमुनों की नियमित जांच करावें

4 स्थानीय निकाय से यह भी अपेक्षा की जाती है कि आम जनता के द्यरों में निर्मित जल संग्रहण टंकियों को भी नियमित सफाई हेतु प्रेरित करें

5 बाढ के समय कुॅए बावडियों जैसें खुले स्त्रोतों में बाट के पानी भर जाने से प्रदुषण की आशंका प्रबल हो जाती है अत. स्थानीय निकाय ऐसे स्त्रोंतों को सुरक्षित रखने पर विशेष ध्यान देवें । ऐसा करने स`जल भराव की स्थिति से बचा जा सकेगा जो जमीन से रिसकर भूजल भी प्रदुषित कर सकता है

6. विभागीय अधिकारी स्वास्थ्य विभाग जिला प्रशासन एवं स्थानीय निकायों के साथ सतत संपर्क में रहें तथा दूषित पानी से फैलने वाली बीमयो की⁄ स्थिति⁄ अशांका में तत्काल पेयजल गुडवत्ता को सुरक्षित बहाल करने हेतु परीक्षण उपचार आदि में आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन स्थानीय निकाय को उपलब्ध करावे आपके व्दारा की गयी कार्यवाही से इस विभाग के अतिरिक्त कलेक्टर व संभागायुक्त को भी अवगत करावे ताकि यथा आवश्यकता जिला प्रशासन से सहयोग प्राप्त किया जा सकें!

प्रमुख अभियता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
मध्यप्रदेश भोपाल

पृ.क्र.5469 / 1006–4 / प्र.अ. / मोनी. / ज.गु.स. / लो.स्वा.यां.वि. / म. प्र.भेपाल .दि.30–06–05

प्रतिलिपिः–

1. विशेष सहायक;माननीय राज्य मंत्रीजी; (स्वत्रंत प्रभार)लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग;मध्यप्रदेश भोपाल को सूचनार्थ प्रेषित !
2. सचिव; मध्यप्रदेश शासन;लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ; मंत्रालय भोपाल की ओर सूचनार्थ प्रेषित!
3. मुख्य अभियंता ग्रामीण / नगरीय कार्यालय प्रमुख अभियंता;लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग भोपाल की ओर सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित !
4. मुख्य अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग.भोपाल इंदौर / ग्वालिर / जबलपूर परिक्षेत्र की सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित!
5. अधीक्षण यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग;परियोजना मंडल ..... को सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रषित!
6. सभी मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी को सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित!

प्रमुख अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
मध्यप्रदेश भोपाल